भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
23.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 650 का उत्तर

पंचवटी एवं राज्य रानी एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में नियमित विलंब

650. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पंचवटी (12109/12110) और राज्य रानी (17611/17612) एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के मुंबई सीएसएमटी और नासिक रोड स्टेशनों के बीच यात्रा के दौरान आगमन और प्रस्थान दोनों में नियमित रूप से विलंब की समस्या का संज्ञान लिया है;

(ख) यदि हाँ, तो इसके कारण क्या हैं और भविष्य में ऐसे विलंबों को रोकने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने उपरोक्त रेलगाड़ियों में स्वच्छता, साफ-सफाई और कभी-कभी जल उपलब्धता की कमी का संज्ञान लिया है;

(घ) यदि हाँ, तो इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या सरकार उपरोक्त रेलगाड़ियों में डिब्बों की संख्या, विशेष रूप से बिना आरक्षण वाले डिब्बों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है, जो सीजन पासधारकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार उपरोक्त रेलगाड़ियों की यात्रा अवधि को घटाकर उन्हें मुंबई की ओर यात्रा करते समय सुबह 9:30 बजे से पहले सीएसएमटी पहुँचाने पर विचार कर रही है जिससे दैनिक यात्रियों को सुविधा होगी और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च) भारतीय रेल द्वारा गाड़ियों को समय पर परिचालित करने के लिए सभी संभव प्रयास किए जाते हैं। गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन पर कई कारक प्रभाव डालते हैं जिनमें कोहरे का मौसम, मार्ग संबंधी बाधाएं, परिसंपत्तियों की विफलता, अलार्म चेन खींचना, जनता द्वारा विरोध प्रदर्शन, मवेशियों का कुचला जाना और अन्य अप्रत्याशित परिस्थितियां शामिल हैं। गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन में बाधा डालने वाले कारकों के आकलन के आधार पर, अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के सुधारात्मक उपाय शुरू किए जाते हैं। महत्वपूर्ण

क्षमता वृद्धि के त्वरित निष्पादन के लिए संसाधन उपलब्ध कराने को उच्च प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि इनके पूरा होने पर अन्य बातों के साथ-साथ गाड़ियों के परिचालन में बेहतर दक्षता और विश्वसनीयता बढ़ती है।

12109/12110 सीएसएमटी-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस और 17611/17612 सीएसएमटी-एच.एस. नांदेड़ राज्य रानी एक्सप्रेस ने पिछले तीन महीनों के दौरान 80% से अधिक का समग्र समयपालन बनाए रखा है। 12109/12110 सीएसएमटी-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस में 22 सवारी डिब्बे हैं, जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए 9 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे और 2 एमएसटी सवारी डिब्बे शामिल हैं, जबकि 17611/17612 सीएसएमटी-एचएस नांदेड राज्य रानी एक्सप्रेस में 17 सवारी डिब्बे हैं, जिसमें 04 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे शामिल हैं। इसके अलावा, रेलगाड़ी सेवाओं का विस्तार करना भारतीय रेल पर यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता के अध्यधीन सतत् प्रक्रिया है।

गाड़ी सेवाओं की गति बढ़ाना भारतीय रेल में सतत् प्रक्रिया है और यह रेलखंडों की अधिकतम अनुमेय गति (एमपीएस), मार्गवर्ती खंडों की प्रवणता, चल स्टॉक/रेलइंजन की गति क्षमता, मार्ग की उपलब्धता, अनुरक्षण गलियारा ब्लॉक, स्थायी और अस्थायी गति प्रतिबंध, सिगनल प्रणाली, आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने के लिए, चल स्टॉक की गति क्षमता को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल पर गाड़ी सेवाओं को अधिकतम अनुमेय गति पर निर्धारित किया जाता है।

स्वच्छता एक सतत् प्रक्रिया है और भारतीय रेल द्वारा गाड़ियों को उचित रूप से स्वच्छ और व्यवस्थित रखने के लिए सभी संभव प्रयास किए जाते हैं। सवारी डिब्बों में पूर्ण स्वच्छता/पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने निम्नानुसार कई उपाय किए हैं:-

(क) रेलगाड़ी में यात्रा के दौरान स्वच्छता सुनिश्चित करने और यात्रियों से प्राप्त होने वाली किसी भी शिकायत का समाधान करने के लिए ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग कर्मचारियों की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इससे शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित होता है।

(ख) सवारी डिब्बों के भीतरी, बाह्य भाग तथा शौचालयों सहित बेहतर सफाई के लिए प्राथमिक अनुरक्षण के दौरान मशीनीकृत कोच सफाई सुनिश्चित की जा रही है।

(ग) सवारी डिब्बों में पानी भरने सहित विभिन्न प्रणालियों के उचित अनुरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित समयावधि/आवधिकता के अनुसार अनुरक्षण के दौरान डिपो/शेडों आदि का नियमित निरीक्षण किया जाता है। इसके अलावा, यात्रा के दौरान सवारी डिब्बों में पानी की

पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, मार्गवर्ती स्टेशनों पर निर्धारित अंतराल पर पानी की आपूर्ति की जाती है।

(घ) सभी सवारी डिब्बों में बायो-शौचालय लगाए गए हैं ताकि सवारी डिब्बों से कोई मानव अपशिष्ट पटरियों पर न गिरे, जिसके परिणामस्वरूप स्वच्छता के स्तर में सुधार हुआ है।

(ङ) यात्रियों की सुविधा के लिए रेल मदद पोर्टल विकसित किया गया है ताकि वे ऑनलाइन सहायता प्राप्त कर सकें और आवश्यकता पड़ने पर शिकायत दर्ज करा सकें और समाधान होने पर अपनी संतुष्टि के विषय में प्रतिक्रिया दे सकें। दोनों गाड़ियों के लिए यात्रियों की प्रतिक्रिया की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है।

******